05-10-2023

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान संस्थान भारतीय चीनी उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने में और बड़ी भूमिका निभा रहा

28 में स्थापना समारोह में केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने शिरकत की

डीटीएनएन, कानपुर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने आज अपना 88वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति मुख्य अतिथि थीं। पूर्व छात्र संगठन के सचिव प्रोफेसर डी. स्वैन के स्वागत भाषण के बाद, शर्करा अभियात्रिकी के संजय चौहान ने 1936 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान की यात्रा का विवरण दिया जिसमें संस्थान के द्वारा न केवल अपने देश में बल्कि विभिन्न अन्य देशों में शर्करा उद्योग की वृद्धि और विकास में दिए गए योगदान के बारे में बताया। 30 देशों के छात्रों ने इस संस्थान में अध्ययन किया है और अधिक से अधिक देश शिक्षण और प्रशिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संस्थान की ओर देख रहे हैं, उन्होंने कहा। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने अपने संबोधन में संस्थान की भविष्य की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। अब, हमारी वैश्विक उपस्थिति है इसलिए आधारभूत सुविधाओं को लगातार उन्नत करने की आवश्यकता है। हमने बेहतर आवासीय सुविधाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त 120 कमरों के एक आधुनिक छात्रावास और 250 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले भोजन कक्ष का प्रस्ताव दिया है। मौजूदा स्मार्ट कक्षाओं को भी अपग्रेड किया जाना है, उन्होंने कहा इस अवसर पर, संस्थान के 06 पूर्व छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जो अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करते हुए फ्रजॉब क्रिएटर्सफ्र बन गए। कृषि मशीनीकरण और गन्ने की नई किस्मों को अपनाने के माध्यम से उच्च गन्ना उत्पादकता प्राप्त करने में अनुकरणीय प्रयासों के लिए पश्चिम, मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश के 14 प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया।

मुझे विश्वास है कि संस्थान भारतीय चीनी उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने में और बड़ी भूमिका निभाएगा, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने संस्थान को उसके अच्छे काम के लिए बधाई देते हुए कहा। मंत्री ने किसानों को उनके प्रयासों और फ्रऊर्जादाताफ्र के रूप में उनके योगदान के लिए भी बधाई दी। आप दूसरों के लिए प्रेरणा के स्रोत बनने जा रहे हैं क्योंकि हम भविष्य में अपनी चीनी और इथेनॉल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गन्ने की प्रति हेक्टेयर अधिक उपज प्राप्त करना चाहते हैं, उन्होंने कहा। पूर्व छात्र पुरस्कार विजेताओं का हवाला देते हुए, उन्होंने छात्रों से स्टार्ट अप स्थापित करने, अभिनव उत्पादों को विकसित करने और दूसरों को रोजगार देने के लिए उदार सरकारी नीतियों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 88 वां स्थापना दिवस के अवसर पर खाद्य व सार्वजनिक वितरण

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कार्यक्रम मे प्रतिभाग किया संस्थान के डायरेक्टर प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने उनका स्वागत सम्मान किया

दैनिक देश मोर्चा
संवाददाता मनी वर्मा

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने आज अपना 88वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति मुख्य अतिथि थीं पूर्व छात्र संगठन के सचिव प्रोफेसर डी. स्वैन के स्वागत भाषण के बाद, शर्करा अभियात्रिकी के सहायक आचार्य श्री संजय चौहान ने 1936 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान की यात्रा का विवरण दिया जिसमें संस्थान के द्वारा न केवल अपने देश में बल्कि विभिन्न अन्य देशों में शर्करा उद्योग की वृद्धि और विकास में दिए गए योगदान के बारे में बताया 30 देशों के छात्रों ने इस संस्थान में अध्ययन किया है और अधिक से अधिक देश शिक्षण और प्रशिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संस्थान की ओर देख रहे हैं, उन्होंने कहा निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने अपने संबोधन में संस्थान की भविष्य की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। अब, हमारी वैश्विक उपस्थिति है इसलिए आधारभूत सुविधाओं को लगातार उन्नत करने की आवश्यकता है। हमने बेहतर आवासीय सुविधाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त 120 कमरों के एक आधुनिक छात्रावास और 250 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले भोजन कक्ष का प्रस्ताव दिया है मौजूदा स्मार्ट कक्षाओं को भी अपग्रेड किया जाना है, उन्होंने कहा इस अवसर पर, संस्थान के 06 पूर्व छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जो अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करते हुए जॉब क्रिएटर्स बन गए। कृषि मशीनीकरण और गन्ने की नई किस्मों को अपनाने के माध्यम से उच्च गन्ना उत्पादकता प्राप्त करने में अनुकरणीय प्रयासों के लिए पश्चिम, मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश के 14 प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया मुझे विश्वास है कि संस्थान भारतीय चीनी उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने में और बड़ी भूमिका निभाएगा माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने संस्थान को उसके अच्छे काम के लिए बधाई देते हुए कहा माननीय मंत्री महोदया ने किसानों को उनके प्रयासों और ऊजार्दाता के रूप में उनके योगदान के लिए भी बधाई दी। आप दूसरों के लिए प्रेरणा के स्रोत बनने जा रहे हैं क्योंकि हम भविष्य में अपनी चीनी और इथेनॉल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गन्ने की प्रति हेक्टेयर अधिक उपज प्राप्त करना चाहते हैं, उन्होंने कहा पूर्व छात्र पुरस्कार विजेताओं का हवाला देते हुए, उन्होंने छात्रों से स्टार्ट अप स्थापित करने, अभिनव उत्पादों को विकसित करने और दूसरों को रोजगार देने के लिए उदार सरकारी नीतियों का लाभ उठाने का आान किया श्री अशोक गर्ग, शिक्षा प्रभारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा मनाया गया 88 वॉ स्थापना दिवस

संवाददाता पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर द्वारा 88वां स्थापन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। छात्र संगठन के सचिव प्रोफेसर डी. स्वैन के स्वागत भाषण के बाद, शर्करा अभियात्रिकी के सहायक आचार्य संजय चौहान ने 1936 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान की यात्रा का विवरण दिया जिसमें उन्होंने बताया कि संस्थान के द्वारा न केवल अपने देश में बल्कि विभिन्न अन्य देशों में शर्करा उद्योग की वृद्धि और विकास में दिए गए योगदान किया अपितु 30 देशों के छात्रों ने इस संस्थान में अध्ययन किया है और अधिक से अधिक देश शिक्षण और प्रशिक्षण के उद्देश्यों की प्रप्ति के लिए संस्थान की ओर देख रहे हैं। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने अपने संबोधन मे संस्थान की भविष्य की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी कि हमारी वैश्विक उपस्थिति है इसलिए, आधारभूत सुविधाओं को लगातार उन्नत करने की आवश्यकता है। हमने बेहतर आवासीय सुविधाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त 120 कमरों के एक आधुनिक छात्रावास और 250 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले भोजन कक्ष का प्रस्ताव दिया है। मौजूदा स्मार्ट कक्षाओं को भी अपग्रेड किया जाएगा। इस अवसर पर, संस्थान के 06 पूर्व छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जो अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करते हुए जॉब क्रिएटर्सबन गए। कृषि मशीनीकरण और गन्ने की नई किस्मो को अपनाने के माध्यम से उच्च गन्ना उत्पादकता प्राप्त करने में अनुकरणीय प्रयासों के लिए पश्चिम, मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश के 14 प्रगतिशील किसानो को भी सम्मानित किया गया। संस्थान को उसके अच्छे काम के लिए बधाई देते हुए,साध्वी निरंजन ज्योति उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि संस्थान भारतीय चीनी उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने में और बड़ी भूमिका निभाएगा किसानों को उनके प्रयासों और ऊर्जादाता के रूप में उनके योगदान के लिए भी बधाई दी। आप दूसरों के लिए प्रेरण के स्रोत बनने जा रहे है क्योंकि हम भविष्य में अपनी चीनी और इथेनॉल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गन्ने की प्रति हेक्टेयर अधिक उपज प्राप्त करना चाहते हैं। पूर्व छात्र पुरस्कार विजेताओं का हवाला देते हुए, उन्होंने छात्रों से स्टर्ट अप स्थापित करने, अपिनव उत्पादों को विकसित करने और दूसरों को रोजगार देने के लिए उदार सरकारी नीतियों का लाभ उठाने का आह्वान किया शिक्षा प्रभारी अशोक गर्ग ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

Minister: Institute will play bigger role in making sugar industry self-reliant

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

88TH FOUNDATION DAY OF NSI

Union Minister of State for Rural Development Sadhvi Niranjan Jyoti felicitating farmers on the 88th Foundation Day of National Sugar Institute on Wednesday.

Union Minister of State for Consumer Affairs, Food and Public Distribution and Rural Development, Sadhvi Niranjan Jyoti, while addressing the 88th foundation day of National Sugar Institute (NSI) on Wednesday said "I am confident that institute will play a still bigger role in making the Indian sugar industry 'atmanirbhar' (self-reliant)." She said NSI had emerged as the forerunner and brought tremendous change in sugar as a product and use of better and cleaner technology. She complimented the farmers for their efforts and their contribution as 'urjadata' and added they are going to be a source of inspiration for others as the nation looked for attaining higher per hectare yield of sugarcane to meet sugar and ethanol requirements in future. Citing the awardees, she called upon the students to take advantage of the liberal government policies to set up startups, develop innovative products and give employment to others. Addressing the gathering Director Prof Narendra Mohan read out the detailed report of the NSI. He said the existing system in Indian sugar industries is conventional one and in order to improve the existing situation concerted efforts need to be made. He added a lot of ground work is required in terms of resource generation, capacity building and technology improvement. He said it is essential to provide proper guidance so that industries can adopt appropriate technologies and processes which can minimise pollution and provide world class sugar at competitive prices. He said the NSI had a global presence and so infrastructural facilities need to be continuously upgraded. He said NSI had proposed a modern 120 room hostel and a dining hall with a seating capacity of 250 persons complete with modern amenities. He said the existing smart classrooms are also being upgraded. The chief guest felicitated six alumni of the institute who turned 'job creators' setting up their own enterprises. Besides them, 14 progressive farmers from west, central and eastern Uttar Pradesh were also felicitated for their exemplary efforts in achieving higher sugarcane productivity through farm mechanisation and adoption of newer sugarcane varieties.

After the welcome speech of Prof D Swain, Secretary, Old Boys' Association, Sanjay Chauhan, Assistant Professor of Sugar Engineering made a presentation about journey of the institute since its inception in 1936 and contribution in growth and development of the sugar industry not only in the country but various other countries. Students from 30 countries have studied here and more and more countries are looking at the institute for teaching and training purposes. The vote of thanks was proposed by Ashok Garg, Education In-charge. Later 14 farmers were felicitated. The Alumni Association felicitated Neeraj Gujral who joined Mawana Sugar Works as an executive trainee after completing his postgraduation in Sugar Technology from NSI in 1990. Now he runs his own, Innovation Chemicals, Kanpur and since 2005 is serving sugar, distillery and various other industries in India and in several other countries with supplies of chemicals, enzymes and engineering hardware. Arvind Kumar Awasthi completed his postgraduation in sugar technology in 1989 from NSI and joined Oudh Sugar Mills Hargaon as a manufacturing chemist in 1989. He worked with Bajaj Hindustan Sugar Mill unit for five years from 1990. He later turned entrepreneur and introduced groundbreaking products under his own venture. Medha Industrial. Ayush Kumar Mishra, after completing his postgraduation in sugar technology joined his family business Delhi Fine Chem. His firm is the manufacturer of antifoam for distillery and supplying all antifoam in all reputed groups such as Balrampur Sugar Mills Ltd and Dalmia Sugar Mills. Jay Narayan Katiyar after completing his postgraduation now is an entrepreneur and started the business of specialty process chemicals in 2004. Presently, he is the Managing Director of Jai Sugtech (India) manufacturing sugar and distillery process chemicals.

एनएसआई ने मनाया अपना 88वां स्थापना दिवस

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर ने अपना 88वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति मुख्य अतिथि थीं।

पूर्व छात्र संगठन के सचिव प्रोफेसर डी. स्वैन के स्वागत भाषण के बाद, शर्करा अभियांत्रिकी के सहायक आचार्य श्री संजय चौहान ने 1936 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान की यात्राका विवरण दिया जिसमें संस्थान के द्वारा न केवलअपने देश में बल्कि विभिन्न अन्य देशों में शर्करा उद्योग की वृद्धि और विकास में दिए गए योगदान के बारे में बताया। 30 देशों के छात्रों ने इस संस्थान में अध्ययन किया है और अधिक से अधिक देश शिक्षण और प्रशिक्षण के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संस्थान की ओर देख रहे हैं,उन्होंने कहा।

निदेशक प्रो.नरेंद्र मोहनने, अपने संबोधन में संस्थान की भविष्य की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। अब, हमारी वैश्विक उपस्थिति है इसलिए आधारभूत सुविधाओं को लगातार उन्नत करने की आवश्यकता है। हमने बेहतर आवासीय सुविधाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त 120 कमरों के एक आधुनिक छात्रावास और 250 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले भोजन कक्ष का प्रस्ताव दिया है।मौजूदा स्मार्ट कक्षाओं को भी अपग्रेड किया जाना है,उन्होंने कहा। इस अवसर पर, संस्थान के 06 पूर्व छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जो अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करते हुए

अपनाने के माध्यम से उच्च गन्ना उत्पादकता प्राप्त करने में अनुकरणीय प्रयासों के लिए पश्चिम, मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश के 14 प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया। मुझे विश्वास है कि संस्थान भारतीय चीनी उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने में और बड़ी भूमिका निभाएगा÷,माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने संस्थान को उसके अच्छे काम के लिए बधाई देते हुए कहा।माननीय मंत्री लिए भी बधाई दी। आप दूसरों के लिए प्रेरणा के स्रोत बनने जा रहे हैं क्योंकि हम भविष्य में अपनी चीनी और इथेनॉल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गन्ने की प्रति हेक्टेयर अधिक उपज प्राप्त करना चाहते हैं,उन्होंने कहा। पूर्व छात्र पुरस्कार विजेताओं का हवाला देते हुए, उन्होंने छात्रों से स्टार्ट अप स्थापित करने, अभिनव उत्पादों को विकसित करने और दूसरों को रोजगार देने के लिए उदार सरकारी नीतियों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

नए उत्पादों को विकसित करने के लिए छात्र स्थापित करें स्टार्टअप

मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री निरंजन ज्योति ने कहा कि संस्थान विश्व के 30 देशों का बना चीनी गुरु

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में मनाया 88वां स्थापना दिवस

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) ने बुधवार को 88वां स्थापना दिवस मनाया। इसमें मुख्य अतिथि साध्वी निरंजन ज्योति राज्यमंत्री उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा ग्रामीण विकास ने कहा कि छात्र नए उत्पादों को विकसित करने के लिए स्टार्ट अप स्थापित करें और सरकार की नीतियों का लाभ उठाएं।

एनएसआई निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने तकनीकी खोजों और संस्थान के विकास का इतिहास बताया। पूर्व छात्र संगठन के सचिव प्रोफेसर डॉ. स्वैन ने स्वागत भाषण दिया। शर्करा अभियांत्रिकी के सहायक आचार्य संजय चौहान ने अन्य देशों में शर्करा उद्योग की वृद्धि और विकास में एनएसआई के योगदान को बताया। कहा कि एनएसआई 88 साल के सफर में विश्व के 30 देशों का चीनी गुरु बन गया। वर्ष 1936 में जब इसकी स्थापना हुई तो चीनी आयात होती थी। देश का वार्षिक चीनी उत्पादन 10 लाख टन था। नई तकनीकों के विकास, प्रशिक्षण की बदौलत आज 350 लाख टन देश का उत्पादन है। 10 देशों को चीनी निर्यात होती है। यहां 30 देश के छात्रों ने यहां पढ़ाई की। संस्थान के छह पूर्व छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही 14 किसानों को कृषि मशीनीकरण और गन्ने की नई किस्मों को अपनाकर उच्च गन्ना उत्पादकता के लिए सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री निरंजन ज्योति व निदेशक नरेंद्र मोहन साथ में सम्मानित किए गए किसान। संवाद

इन पुरातन छात्रों का हुआ सम्मान

- नीरज गुजराल - वर्ष 1990 में शर्करा प्रौद्योगिकी में पीजी डिप्लोमा किया। वर्ष 2005 में अपनी रसायन कंपनी स्थापित की।
- अरविंद कुमार अवस्थी- वर्ष 1989 में शर्करा प्रौद्योगिकी में पीजी किया। 16 वर्षों से अपनी रसायन कंपनी चला रहे हैं।
- आयुष कुमार मिश्रा - वर्ष 2019 में शर्करा प्रौद्योगिकी में पीजी किया। अपने पारिवारिक व्यवसाय को आगे बढ़ाया।
- जय नारायण कटिहार- वर्ष 1997 में शर्करा प्रौद्योगिकी में पीजी किया। अपनी रसायन कंपनी स्थापित की।
- एकता यादव - वर्ष 2018 में शर्करा प्रौद्योगिकी में पीजी किया। अब अपनी पारिवारिक कंपनी में जिम्मेदारी संभाल रहीं।
- बृजेंद्र सहाय- वर्ष 1997 में शर्करा प्रौद्योगिकी से पीजी किया। वॉटर ट्रीटमेंट करने वाली अपनी कंपनी स्थापित की।

गन्ना किसानों का सम्मान

- अनंत बहादुर सिंह, ग्राम बनगांव, अंबेडकरनगर
- राणा सिंह, ग्राम सरैया धीरसिंहपुर, अंबेडकरनगर
- विनोद कुमार, ग्राम देंदुपुर, अंबेडकरनगर
- संतरपाल, ग्राम सैदपुर, मुजफ्फरनगर
- अशोक, ग्राम खेड़ी तगान, मुजफ्फरनगर
- सुभाष, ग्राम पिंडौरा, मुजफ्फरनगर
- ओमवीर, ग्राम नंगली महासिंह, मुजफ्फरनगर
- रामनरेश, ग्राम गोदलामऊ, सीतापुर
- विवेक कुमार अवस्थी, जोहरिया मऊ, सीतापुर
- दिवाकर सिंह, ग्राम पट्टी नेवादा, सीतापुर
- रवींद्र कुमार, ग्राम बीघा रामपुर, हरदोई
- रमेश कुमार सिंह, ग्राम आशा, हरदोई
- श्याम बहादुर सिंह, ग्राम उतरा, हरदोई
- नागेंद्र सिंह, ग्राम पाट कुआं, हरदोई

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर ने मनाया अपना 88वां स्थापना दिवस